भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 802

गुरुवार, 23 जुलाई, 2026/1 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ान योजना के तहत मार्ग बंद करना

802. **श्री पुष्पेंद्र सरोजः**
एडवोकेट प्रिया सरोजः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विशेषकर उत्तर प्रदेश के संबंध में उड़ान योजना के तहत उन मार्गों की संख्या राज्य-वार कितनी है, जिन पर विमानन कंपनियों ने अपनी संविदात्मक प्रतिबद्धताओं के पूरा होने से पहले ही सेवाएं बंद कर दीं;

(ख) ऐसे मामलों की संख्या कितनी है, जिनमें डिफॉल्टर विमानन कंपनियों पर दंड लगाया गया, बैंक गारंटी जब्त की गई या वित्तीय प्रोत्साहन वापस लिए गए;

(ग) विशेषकर उत्तर प्रदेश के संबंध में सेवाओं के इस तरह बंद होने के कारण प्रभावित हुए विमानपत्तनों और मार्गों की संख्या राज्य-वार कितनी है;

(घ) क्षेत्रीय संपर्क, यात्री यातायात और पहुंच पर इस तरह से सेवाएं बंद होने के प्रभाव के संबंध में सरकार के मूल्यांकन के निष्कर्ष क्या हैं; और

(ङ) सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने, संविदात्मक प्रतिबद्धताओं के प्रवर्तन को मजबूत करने और उड़ान परिचालनों को समय से पहले बंद करने की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): 'उड़ान' योजना के तहत, उत्तर प्रदेश के लिए 32 मार्गों पर परिचालन को, उनके 3 वर्ष के वीजीएफ समर्थन कार्यकाल के पूरा होने से पूर्व बंद कर दिया गया था और वे गैर-कार्यशील हैं। इन मार्गों को रद्द किए जाने के कारण उत्तर प्रदेश में 6 हवाईअड्डे गैर-प्रचालनरत हो गए हैं।

उपर्युक्त रद्द किए गए मार्गों पर 'उड़ान योजना' के अगले चरण के तहत विचार किया जा सकता है, जिसमें राज्य सरकारों को क्षेत्रीय संपर्क आवश्यकताओं, विकास उद्देश्यों और मांग क्षमता के आधार पर अवॉर्ड के लिए उन्हें चिह्नित करने और प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

ऐसे 14 मामले हैं जिनमें वर्ष 2024-25 और वर्ष 2025-26 के दौरान खराब प्रदर्शन के लिए बैंक गारंटी जब्त करके जुर्माना लगाया गया था।

(घ) : 'उड़ान' योजना का अंतर्निहित आधार, असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों और क्षेत्रों के लिए संपर्क स्थापित करना है। इस योजना ने हवाईअड्डों के विकास को सुलभ बनाया है, जिनमें से कई हवाईअड्डे वैकल्पिक उड़ान और मार्ग विकल्प प्रदान करने के लिए विकसित हुए हैं, जिससे संपर्क में कमी नहीं आई है।

(ङ) : 'उड़ान' योजना के तहत सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकारों को उच्च क्षमता वाले हवाईअड्डों को चिह्नित करने और उन्हें प्राथमिकता देने का कार्य सौंपा गया है, जबकि एयरलाइनों के लिए मार्गों के अवॉर्ड से पूर्व व्यावसायिक योजनाओं को प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है। कार्यान्वयन एजेंसी समय पर प्रचालन को सुलभ बनाने के लिए तैयार या शीघ्र तैयार होने वाले हवाईअड्डों की सूची भी प्रकाशित करती है। इसके अलावा, रद्द किए गए पात्र मार्गों के लिए आगामी चरणों में पुनः बोली लगाई जाती है और यह योजना, अवॉर्ड के पश्चात मार्गों के नवीकरण में सहायता करती है, जिससे निर्बाध क्षेत्रीय संपर्क बनाए रखने के लिए किसी अन्य पात्र एयरलाइन को परिचालन अधिकार हस्तांतरित किए जा सकते हैं।

'उड़ान' योजना का अगला चरण मार्ग परिपक्वता के लिए पर्याप्त समय देने हेतु टेपर्ड तंत्र के साथ लंबी अवधि के वीजीएफ समर्थन के माध्यम से मार्गों की संधारणीयता को सुदृढ़ करता है। एयरोड्रोमों के लिए समर्पित ओ एंड एम समर्थन के प्रावधान द्वारा हवाईअड्डे की संधारणीयता संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

******